

DR. (SMT.) VEGE KOTESWARAMMA

Keeping up a global mission Dr. (Smt.) Vege Koteswaramma has turned to be an educator extraordinaire, a teacher par excellence, as the Director & Correspondent of Montessori Educational Institutions, Vijayawada. Her perceptiveness as an educator transcended all boundaries, and for her, that path has been endless - not only confined to the walls of the classroom, but to the literary and cultural arena where her scope for creativity has been incomparable fostering women empowerment throughout. As a stalwart and trailblazer in literature and education, Dr. (Smt.) Koteswaramma has positively transformed the lives of many young girls, through academics and enlightening literature.

2. Born on March 5, 1925, Dr. (Smt.) Koteswaramma has received her Bachelor of Arts Degree from AC College, Guntur in 1945, thus being the first female graduate in Vijayawad taluk. She received her B.Ed., from Government Training College, Rajahmundry in 1947. She then began to realize her dreams initially as Science Assistant at Kasturi Devi Girls High School, Nellore and ZP High School, Vijayawada. Later in 1955, she took a defunct school of 20 children and developed it into a Government recognized High School. Later, she received Masters of Arts Degree in Telugu from the Andhra University, Visakhapatnam in 1972 and has completed her Research and has been awarded Doctorate of Philosophy from Acharya Nagarjuna University, Guntur in 1980.

3. Undaunted by challenges, Dr. (Smt.) Koteswaramma has always been affirmative in her passion to create avenues for girls to realize their goals through Academic pursuance and cultural inclination. She has heeded the demands of education from primary to tertiary level and has propelled the Montessori Educational Institutions from the primary school to various colleges extending from College of Education to Engineering, Law and other professional colleges under her umbrella as the Director and Correspondent to all these institutions. She has equipped these institutions with the diversification of programmes, from Arts, Science, Management, Law, Education, Fine Arts to Fashion Technology, thus making them more relevant to the societal needs. Under her leadership, Montessori Educational Institutions offer a variety of degree programmes to cater to the needs of the changing educational landscape.

4. Dr. (Smt.) Koteswaramma has always been an active participant in social service programmes. She has written and published more than 58 books on women empowerment. She is the founding editor of a magazine "Illu Illalu" a monthly magazine for the cause of women. The magazine was started in the year 1983 and has been running for 34 years. Dr. (Smt.) Koteswaramma has written and published brief biographies of more than hundred eminent personalities in easy and simple language inspiring people of all age groups.

5. Dr. (Smt.)Koteswaramma has put in more than 50 years of indomitable service as the Director, Correspondent and Principal of Montessori Educational Institutions. She is the recipient of numerous awards and honours. She has been awarded a National Award and a State Award for being the Best Teacher in 1971 and 1981 respectively. She has been bestowed upon the Jean Harris Award from Rotary International for outstanding service to the development and progress of women in 1977. She has also been awarded with Vamsi Award, Prapancha Telugu Vaibhava Award for her service for the cause of women. She has been honoured with the Jewel of India and National Udyog Excellence Award from International Institute of Education & Management Association with IBC in 2002. She has received Life Time Achievement Award from National and International Compendium in 2002. Additionally, Indira Gandhiji Excellence Award, Gyan Bharathi Rashtriya Samman, Visishta Mahila Award, Rastreeya Vidya Saraswathi Puraskar, Vidya Ratna, Best Educationist Award have found place in her hall of fame. Telugu Book of Records has also been a feather in her cap on March 8, 2014.



डॉ. (श्रीमती) वेगे कोटीश्वरम्मा

डॉ. (श्रीमती) वेगे कोटीश्वरम्मा ने मोंटेसरी एड्यूकेशनल इंस्टीट्यूशन्स, विजयवाड़ा के निदेशक एवं कोरेसपोंडेंट के रूप में शिक्षा के वैश्विक मिशन को अक्षुण्ण रखते हुए असाधारण शिक्षाविद एवं उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में ख्याति अर्जित की है। शिक्षा के रूप में आपकी अनुभूति सीमातीत है और आपकी यह यात्रा अंतहीन है, जो कक्षा तक ही सीमित न होकर साहित्यक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र तक विस्तारित हैं, जहां महिला सशक्तिकरण के संवर्धन हेतु आपकी सृजनात्मकता अतुलनीय है। आप साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे प्रतिष्ठित एवं अग्रणी व्यक्तित्व हैं जिन्होंने शिक्षा एवं ज्ञानदायी साहित्य के माध्यम से अनेक लड़कियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाई हैं।

2. आपका जन्म 05 मार्च, 1925 को हुआ था। आपने वर्ष 1945 में ए सी कॉलेज गुंटूर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की एवं इस प्रकार विजयवाड़ा ताल्लुक में पहली महिला स्नातक बनीं। आपने सरकारी प्रशिक्षण कॉलेज, राजामुंद्री से वर्ष 1947 में बीएड की। उसके बाद कस्तूरबा देवी बालिका उच्च विद्यालय, नैल्लोर एवं जे पी हाई स्कूल, विजयवाड़ा में प्रारंभ में विज्ञान सहायक बनीं। बाद में वर्ष 1955 में आपने 20 बच्चों के एक छोटे से पुराने स्कूल को अपना कार्यक्षेत्र बनाया तथा इसे सरकारी मान्यता प्राप्त उच्च विद्यालय के रूप में विकसित किया। बाद में वर्ष 1972 में आपने आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम से तेलुगु में कला स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की तथा आपने आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंतूर से वर्ष 1980 में अनुसंधान कार्य पूरे किये और आपको डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई।

3. सदैव ही चुनौतियों का साहस से सामना करते हुए आप लड़कियों को शिक्षा एवं सांस्कृतिक रूचियों के माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु उनके लिए अवसरों के सृजन हेतु समर्पित रहीं हैं। आपने प्राथमिक स्तर से लेकर तृतीय स्तर तक शिक्षा की मांग को समझा एवं मोंटेसरी एड्यूकेशनल इंस्टीटयूशनों की स्थापना कर जिसमें शिक्षा कॉलेजो से लेकर इंजीनियरिंग, विधि एवं पेशेवर कॉलेजों तक, इसका विस्तार किया जिसके लिए आपने इन संस्थानों के लिए निदेशक एवं कोरेस्पोंडेंट की भूमिका निभाई। आपने इन संस्थाओं को विविध प्रकार के पाठ्यक्रमों, जो कला, विज्ञान, प्रबंधन, विधि, शिक्षा, ललित कला से लेकर फैशन तकनीकी जैसे संकायों से संबंधित हैं, के साथ सुसज्जित किया एवं इन्हें समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुकूल बनाया। आपके नेतृत्व में मोंटेसरी एडयूकेशनल इंस्टिट्यूशन्स शिक्षा के बदलते परिवेश की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विविध प्रकार के डिग्री पाठ्यक्रमों में शिक्षा देते हैं।

4. आप सामाजिक सेवा कार्यक्रमों में सदैव सक्रिय रहीं हैं एवं आपने महिला सशक्तिकरण पर 58 से अधिक पुस्तकों की रचना की है एवं उन्हें प्रकाशित किया है। आप महिलाओं के कल्याण हेतु समर्पित मासिक पत्रिका "इलू इलालू" की संस्थापक संपादक हैं। यह पत्रिका वर्ष 1983 में शुरू की गई एवं इस पत्रिका ने 34 वर्षों की अपनी यात्रा पूरी कर ली है। आपने 100 से अधिक प्रख्यात व्यक्तियों की संक्षिप्त जीवनी को सरल भाषाओं में कलमबद्ध कर प्रकाशित किया है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए प्रेरणादायी है।

5. आपने मोंटेसरी एड्यूकेशनल इंस्टीट्यूशंस के निदेशक, कोरेसपोंडेंट एवं प्रिंसिपल के रूप में 50 वर्ष से अधिक समय तक अपनी उत्कृष्ट सेवा दी है। आपको कई एक पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। आपको वर्ष 1971 एवं 1981 में क्रमश: राष्ट्रीय पुरस्कार तथा राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आपको महिलाओं के विकास एवं प्रगति हेतु अपनी उत्कृष्ट सेवा के लिए वर्ष 1977 में रोटरी इंटरनेशनल से जीन हैरिस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। महिलाओं के उत्थान हेतु आपकी सेवा के लिए आपको बामसी पुरस्कार, प्रपंच तेलुगू वैभव पुरस्कार से स्म्मानित किया जा चुका है। आपको जुएल ऑफ इंडिया एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडयूकेशन एंड मेनेजमेंट एसोसिएशन्स विद आईबीसी द्वारा वर्ष 2002 में राष्ट्रीय उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आपको नेशनल एंड इंटरनेशनल कंपेंडियम द्वारा लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड भी प्रदान किये गए हैं। इसके साथ ही इंदिरा गांधी एक्सिलेंस अवार्ड, ज्ञान भारती राष्ट्रीय सम्मान, विशिष्ट महिला पुरस्कार, राष्ट्रीय विद्या सरस्वती पुरस्कार, विद्या रत्न, बेस्ट एडयूकेशनिस्ट पुरस्कार आपके पुरस्कारों की लंबी सूची में शामिल हैं। 8 मार्च, 2014 को तेलुगू बुक ऑफ रिकाडर्स भी आपकी उपलब्धियों की लंबी सूची में शामिल हैं।